Title: Need to ban production and sale of Gutkha in the country.- Laid.

श्री चन्द्र मणि त्रिपाठी (रीवा) : *अध्यक्ष महोद्य कई राज्य सरकारों ने अपने प्रदेश में युवा वर्ग, विशेाकर छात्रों में बढ़ रही गुटखा सेवन से उनके स्वास्थ्य में पड़ रहे बुरे असर एवं मुख कैंसर जैसी प्राण घातक बीमारियों की बढ़ोत्तरी से गुटखा की बिक्री में रोक लगा दिया है।

आज सस्ते गुटखें के सेवन से आधी से अधिक आबादी प्रभावित है। एतदर्थ मैं भारत सरकार से पुरजोर मांग करता हूं कि लाखों युवकों के स्वास्थ्य और जीवन को नट करने वाले हानिहारक गुटखों पर राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंध लगाया जाए और इस गुटखे उत्पादन पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाकर इसे बनाने वालों और इसकी बिक्री करने वालों पर कठोरतम कार्यवाही की जाये।